

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 56 ] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च २२, १९६५/चैत्र २, १८८७

No. 56] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 23, 1965/CHAITRA 2, 1887

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

*New Delhi, the 22nd March, 1965*

**S.O. 992.**—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into definite matters of public importance hereinafter specified;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (Act No. 60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry consisting of Shri Gopal Swarup Pathak, Senior Advocate, Supreme Court of India, and Member of Parliament, to inquire into the following matters:—

- (a) Whether any persons, in particular Dr. Gajanan Viswanath Ketkar, of Poona, had prior information of the conspiracy of Nathuram Vinayak Godse and others to assassinate Mahatma Gandhi;
- (b) Whether any of such persons had communicated the said information to any authorities of the Government of Bombay or of the Government of India; in particular, whether the aforesaid Dr. Ketkar had conveyed the said information to the late Bal Gangadhar Kher, the then Premier of Bombay, through the late Balukaka Kanetkar;
- (c) If so, what action was taken by the Government of Bombay, in particular by the late Bal Gangadhar Kher, and the Government of India on the basis of the said information.

2. The Commission shall make its report to the Central Government not later than 15th June, 1965.

3. And whereas the Central Government is of opinion that, having regard to the nature of the inquiry to be made and other circumstances of the case, all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of section 5 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (Act No. 60 of 1952) should be made applicable to the said Commission, the Central Government hereby directs that all the said provisions shall apply to the said Commission.

[No. 25/50/64-Poll.I.]

L. P. SINGH, Secy.

### गृह-मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1965

एस. ओ. 993.—क्योंकि केन्द्रीय सरकार के विचार में नीचे लिखे निश्चित मामलों में, जो जनहित की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, जांच करने के लिए एक जांच-आयोग नियुक्त करना आवश्यक है;

इसलिये, अब, केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना द्वारा, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60वां अधिनियम) की धारा 3 द्वारा दिए गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए एक जांच आयोग नियुक्त करती है जिसमें उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा संसद सदस्य श्री गोपाल स्वरूप पाठक होंगे। यह आयोग इन बातों की जांच करेगा :—

- (क) कि क्या किन्हीं व्यक्तियों, विशेष रूप से पूना के डा० गजानन विष्वनाथ केतकर, को नाथूराम विनायक गोडसे तथा अन्य लोगों के महात्मा गांधी की हत्या के षड्यंत्र का पहले से पता था ;
- (ख) क्या ऐसे व्यक्तियों में से किसी ने उक्त सूचना बम्बई सरकार के या भारत सरकार के किन्हीं प्राधिकारियों को दी थी ; विशेषरूप से क्या उक्त डा० केतकर ने यह सूचना स्वर्गीय बालुकाका कानेतकर की मार्फत बम्बई के तत्कालीन प्रधान मंत्री स्वर्गीय बाल गंगाधर खेर को दी थी ;
- (ग) यदि यह ठीक है, तो बम्बई सरकार ने, विशेषरूप से स्व० बाल गंगाधर खेर ने, और भारत सरकार ने, उक्त सूचना के आधार पर क्या कार्यवाही की ।

2. यह आयोग अपना प्रतिवेदन भारत सरकार को 15 जून 1965 तक दे देगा ।

3. और जांच की प्रकृति तथा मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय सरकार के विचार में जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60वां अधिनियम) की धारा (5) की दूसरी, तीसरी, चौथी तथा पांचवीं उपधाराओं के सभी उपबन्ध उक्त आयोग पर लागू होने चाहियें। इस लिये केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा आदेश देती है कि उक्त सभी उपबन्ध इस आयोग पर लागू होंगे ।

[संख्या 25/50/64-पील— I]

एल० पी० सिंह,

सचिव, भारत सरकार ।